कक्षा-9

मिथिलाक धरोहर

INDIAN ARMY

Arms you FOR LIFE AND CAREER AS AN OFFICER
Visit us at www.joinindianarmy.nic.in
or call us (011) 26173215, 26175473, 26172861

Ser NO	Course	Vacancies Per Course	Age	Qualification	Appln to be received by	Training Academy	Duration of Training
1.	NDA	300	16½ - 19 Yrs	10+2 for Army 10+2 (PCM) for AF, Navy	10 Nov & 10 Apr (by UPSC)	NDA Pune	3 Yrs + 1 yr at IMA
2.	10+2 (TES) Tech Entry Scheme	85	16½ - 19½ Yrs	10+2 (PCM) (aggregate 70% and above)	30 Jun & 31 Oct	IMA Dehradun	5 Yrs
3.	IMA(DE)	250	19 - 24 Yrs	Graduation	May & Oct (by UPSC)	IMA Dehradun	1½ Yrs
4.	SSC (NT) (Men)	175	19 - 25 Yrs	Graduation	May & Oct (by UPSC)	OTA Chennai	49 Weeks
5.	SSC (NT) (Women) (including Non- tech Specialists and JAG entry)	As notified	19 - 25 Yrs for Graduates 21-27 Yrs for Post Graduate/ Specialists/ JAG	Graduation/ Post Graduation /Degree with Diploma/ BA LLB	Feb/Mar & Jul/ Aug (by UPSC)	OTA Chennai	49 Weeks
6.	NCC (SPL) (Men)	50	19 - 25 Yrs	Graduate 50% marks & NCC 'C' Certificate (min B Grade)	Oct/ Nov & Apr/ May	OTA Chennai	49 Weeks
	NCC (SPL) (Women)	As notified					
7.	JAG (Men)	As notified	21 - 27 Yrs	Graduate with LLB/ LLM with 55% marks	Apr / May	OTA Chennai	49 Weeks
8.	UES	60	19-25 Yrs (FY)18-24 Yrs (PFY)	BE/B Tech	31 Jul	IMA Dehradun	One Year
9.	TGC (Engineers)	As notified	20-27 Yrs	BE/ B Tech	Apr/ May & Oct/ Nov	IMA Dehradun	One Year
10.	TGC (AEC)	As notified	23-27 Yrs	MA/ M Sc. in 1st or 2nd Div	Apr/ May & Oct/ Nov	IMA Dehradun	One Year
11.	SSC (T) (Men)	50	20-27 Yrs	Engg Degree	Apr/ May & Oct/ Nov	OTA Chennai	49 Weeks
12.	SSC (T) (Women)	As notified	20-27 Yrs	Engg Degree	Feb/ Mar & Jul/ Aug	OTA Chennai	49 Weeks

मिथिलाक धरोहर

नवम कक्षाक मैथिली भाषाक पूरक पाठ्य-पुस्तक

(एस॰ सी॰ ई॰ आर॰ टी॰, बिहार, पटना द्वारा विकसित)

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत।

राज्य शिक्षाशोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार पटनाक सौजन्यसँ सम्पूर्ण बिहार राज्यक निमित्त।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड

प्रथम संस्करण : 2009

पुनर्मुद्रण : 2013
पुनर्मुद्रण : 2017

मूल्य : रु० 15.00

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्धमार्ग, पटना-800001 द्वारा प्रकाशित तथा धनराज प्रिंटिंग प्रेस, कुनकुनसिंह लेन, पटना-6, द्वारा कुल 10,000 प्रतियाँ मुद्रित।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकारक निर्णयानुसार अप्रैल, 2009 सँ राज्यक कक्षा-IX हेतु नव पाठ्यक्रमकेँ लागू कयल गेल अछि। प्रथम चरणमे शैक्षिक सत्र 2009 क लेल वर्ग-IX क सभ भाषा एवं गैर भाषा पुस्तकक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करबाक निर्णय लेल गेल अछि। एहि नव पाठ्यक्रमक आलोकमे एस.सी.ई.आर.टी. बिहार, पटना द्वारा सभ भाषा एवं गैर भाषा पुस्तक (वाणिज्य एवं कला विषयक) बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम द्वारा आवरण चित्रण कऽ मुद्रित कयल जा रहल अछि।

बिहार राज्यमे विद्यालयीय शिक्षाक गुणवत्तापूर्ण शिक्षाक लेल माननीय मुख्यमंत्री, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्रीड्डा०अशोक चौधरी तथा शिक्षा विभागक प्रधान सचिव, श्री आर. के. महाजनक मार्ग निर्देशक प्रति हम हृदयसँ कृतज्ञ छी।

एस.सी.ई.आर.टी. बिहारक निदेशकक हम आभारी छी, जे अपन सहयोग प्रदान कयलनि।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्र, अभिभावक, शिक्षक, शिक्षाविदक टिप्पणी एवं सुझावक सदैव स्वागत करत जाहिसँ बिहार राज्यकेँ देशक शिक्षा जगतमे उच्चतम स्थान देअयबामे हमर प्रयास सहायक सिद्ध भऽ सकय।

एम० रामचन्द्रुडु, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०, पटना

दिशा-बोध

श्री हसन वारिस, निदेशक (प्रभारी), राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार ।

श्री रघुवंश कुमार, निदेशक (शैक्षणिक), बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च माध्यमिक प्रभाग)।

श्री सैयद अब्दुल मुईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, एस.सी.ई.आर.टी., बिहार ।

पाठ्य-पुस्तक विकास समिति

अध्यक्ष, मैथिली भाषा समूह

डॉ॰ इन्द्रकान्त झा, पूर्व अध्यक्ष, मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना ।

समन्वयक, मैथिली भाषा समूह

डॉ॰ अनिल कुमार मिश्र, व्याख्याता, राजकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालबहादुर शास्त्रीनगर, पटना ।

सदस्य, मैथिली भाषा समूह

डॉ॰ नरेश मोहन झा, व्याख्याता, आर. के. कॉलेज, मधुबनी ।

डॉ॰ राजकुमार झा, व्याख्याता, राजकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय, पटना सिटी, पटना ।

डॉ॰ अरुण कुमार झा, व्याख्याता, राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, पटना सिटी, पटना ।

डॉ॰ हीरा मंडल, व्याख्याता, स्नातकोत्तर मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना ।

डॉ॰ कमला कान्त भण्डारी, व्याख्याता, राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्रीनगर, पटना।

डॉ॰ वीणाधर झा, व्याख्याता, पटना कॉलेजियट स्कूल, दरियापुर, पटना ।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की समीक्षा समिति के सदस्य

डॉ॰ देवेन्द्र झा, पूर्व अध्यक्ष, मैथिली विभाग, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर ।

डॉ॰ बासुकीनाथ झा, पूर्व अध्यक्ष, मैथिली विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया ।

डॉ॰ मदन मिश्र, उपाचार्य, मैथिली विभाग, नीतीश्वर कॉलेज, मुजफ्फरपुर ।

सहयोग

डॉ॰ लक्ष्मीकान्त चौधरी 'सजल', व्याख्याता, पटना हाई स्कूल, गर्दनीबाग, पटना ।

श्रीमती वीर कुमारी कुजूर, व्याख्याता, एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰, बिहार ।

डॉ॰ अर्चना, व्याख्याता, एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰, बिहार ।

अकादमिक संयोजन, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक विकास समिति

श्री ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, साधन सेवी ।

आमुख

प्रस्तुत पोथी राष्ट्रीय पाठ्यचर्याक रूपरेखा, 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्याक रूपरेखा, 2006क आलोकमे विकसित नवीन पाठ्यक्रम (2007)क आधार पर बनाओल गेल अछि । एहि पुस्तकक विकासमे एहि बातक ध्यान राखल गेल अछि जे शिक्षाक अर्थ बिहारक विद्यालयीय शिक्षार्थीकेँ एतबा सक्षम बना देब अछि जे ओ अपन जीवनक सम्यक् ओ यथार्थ अर्थ बुझि सकय, अपन समस्त योग्यताक समुचित विकास कऽ सकय, अपन जीवनक अभीष्ट निर्धारित कऽ सकय तथा ओकरा प्राप्त करबाक लेल यथासंभव सार्थक एवं प्रभावी प्रयास कऽ सकय, आओर संगहि संग एहि बातकेँ सेहो बुझि सकय जे समाजक दोसरो व्यक्तिकेँ सेहो एहने करबाक पूर्ण अधिकार प्राप्त छैक । राष्ट्रीय पाठ्चर्याक रूपरेखा, 2005 एवं बिहार पाठ्चर्याक रूपरेखा, 2006 द्वारा निर्दिष्ट दृष्टिकोण हमरा एहि दिस उन्मुख करैत अछि जे शिक्षार्थीक विद्यालयीय परिधिक क्रियाकलाप एवं विद्यालयसँ बाहरक जीवनमे अंतराल नहि होयबाक चाही । पोथी ओ पोथीक बाहरक जगत आपसमे शृंखलाबद्ध होयबाक चाही । आशा अछि जे ई प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) मे वर्णित शिक्षार्थी-केन्द्रित व्यवस्थाक दिशामे बहुत दूर धरि लऽ जायत ।

एहि पोथीमे किशोर वयक कल्पनाशक्ति विकास, हुनक गतिविधिक सृजनशीलता, हुनक प्रश्न करबा एवं ओकर उत्तर प्राप्त करबाक मौलिक अधिकारक समुचित संरक्षण तथा ओकरा रचनात्मक दिशा देबाक प्रयास कयल गेल अछि । निश्चये एहिमे शिक्षार्थीक संग-संग शिक्षक लोकनिक सेहो गंभीर अंतरंगताक संगहि ओतबे भूमिका होयबाक चाही । शिक्षार्थीक प्रति संवेदना एवं सहानुभूतिक संग हुनका पोथीमे सक्रिय सहभागिता राखय पड़तनि तथा लेखक परिचय, मूल पाठ आओर ओकरा संग संलग्न अभ्यास प्रश्नक सन्दर्भमे समुचित जागरूकता देखाबय पड़तनि । प्रत्येक पाठक संग अनेक तरहक अभ्यास अछि जाहिसँ शिक्षार्थीक अधिकार पाठ पर तँ बनबे करत, संगहि ओकर अभ्यन्तर व्यापक जिज्ञासाकेँ प्रोत्साहन भेटत । पुस्तकक परिकल्पनामे अनेक महत्त्वपूर्ण बात सभकेँ ध्यान राखल गेल अछि । भाषा ओ साहित्यक

परिधिमे बान्हल घेराकेँ सकारात्मक स्तर पर विशृंखल करबा तथा वृहत्तर अनुभव क्षेत्र सभकेँ ओहिसँ जोड़बाक संग-संग वैविध्यपूर्ण पाठ शृंखलाकेँ उबाऊ होयबासँ बचबैत एहन प्रयत्न कयल गेल अछि जे पाठ बोझिल नहि होअय तथा सामयिक जीवन संदर्भसँ सम्पृक्त भऽ छात्रक लेल रोचक बनि जाय । छात्र उत्सुकता एवं आनंदक संग तनावमुक्त रीतिसँ ओकरा पढ़ैत बहुविध जानकारी प्राप्त करय तथा ओहि जानकारीक ज्ञानक सृजनमे उपयोग कऽ सकय ।

एस.सी.ई.आर.टी. सर्वप्रथम मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकारक माननीय मंत्री श्री हरिनारायण सिंह एवं प्रधान सचिव श्री अंजनी कुमार सिंहक प्रति विशेष आभार प्रकट करैत अछि जनिका नियमित मार्गदर्शनक बिना बिहारक नवीन पाठ्यक्रम (2008) एवं एहि पाठ्य पुस्तकक रचना संभव नहि होइत । एहि पुस्तकमे सम्मिलित रचनाकार, हुनक प्रकाशक एवं समस्त परिवारक प्रति आभार प्रकट करैत एहि पुस्तकक विकासक लेल बनाओल पाठ्यपुस्तक विकास समितिक प्रति सेहो एस. सी.ई.आर.टी. कृतज्ञता व्यक्त करैत अछि । मैथिली भाषा समूहक अध्यक्ष डॉ॰ इन्द्रकान्त झा, समन्वयक डॉ॰ अनिल कुमार मिश्र, डॉ॰ नरेश मोहन झा, डॉ॰ राजकुमार झा, डॉ॰ अरुण कुमार झा, डॉ॰ हीरा मंडल, डॉ॰ कमला कान्त भण्डारी, डॉ॰ वीणाधर झाक, प्रति हम विशेष आभार प्रकट करैत छी । ई लोकनि गंभीर सूझ-बूझ, अथक परिश्रम एवं भावात्मक लगावक संग एहि कार्यकेँ ससमय सम्पन्न कयल । पाठ्य पुस्तक विकास समितिक अकादमिक संयोजक श्री ज्ञानदेव मणि त्रिपाठीक प्रति सेहो हम कृतज्ञता व्यक्त करैत छी ।

पुस्तक अपनेक हाथमे अछि । एकर अध्ययन-अध्यापनक प्रसंगमे भेल अनुभवसँ उत्पन्न परामर्श एवं सुझावक हमरा सदैव प्रतीक्षा रहत ।

निदेशक

राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

पटना-800006

प्रस्तुत पोथी : एक सिंहावलोकन

प्राचीन कालहिसँ उल्लिखित 'मिथिला' शब्द, सम्बद्ध अछि ओहि भू-भागसँ जतय 'मैथिली' लोकभाषा ओ साहित्यिक भाषा दुनूक रूपमे व्यवहृत होइछ । चन्दा झा, सीताराम झा प्रभृति कतेको महाकवि ओ मनीषी एकर सीमांकन ओ महिमामंडन कऽ चुकल छथि । सरिपहुँ, 'मिथिलाञ्चल' अपन विशिष्ट बौद्धिक, आध्यात्मिक पृष्ठभूमिक अमिट छाप विश्व पटल पर अंकित करैत रहल अछि ।

'धरोहर' क अर्थ होइछ थाती, अमानत आदि । अर्थात् ओहन वस्तु जे किछु काल धरि ककरो लग एहि विश्वासक संग धरबा लेल देल गेल हो जे माँगला पर पुनः ओही रूपमे भेटि जायत । एहि पोथीमे धरोहरकेँ अपन ओही समृद्ध परम्परा ओ पृष्ठभूमिक सन्दर्भमे स्मारित कयल गेल अछि जे हमरा अपन पूर्वज द्वारा प्रदत्त संस्कार, लोकाचार, सदाचार, कालक प्रवाहमे अवशिष्ट कला-कौशल आदिक रूपमे प्राप्त भेल अछि । प्रत्येक समाजक किछु एहन विशेषता होइछ जे ओकरा अपन पर्यावरणमे एक खास रूपमे प्रस्तावित करैत छैक । एहन सकारात्मक विशिष्टताकेँ ससम्मान जोगयबाक प्रयोजन अछि । एहि पोथीमे संगृहीत सातो आलेख एहि भूभागक परम्परा ओ पृष्ठभूमिसँ सम्बद्ध अछि जकर प्रस्तुतिकरणक उद्देश्य अछि शिक्षार्थीकेँ अपन सभ्यता संस्कृतिसँ परिचितिक संग-संग ओकर संरक्षण ओ संवर्द्धनक प्रति जागरूक बनायब । आजुक गतिशील जीवनमे हमरा लोकनि अपन पर्यावरणमे रचल-बसल कतेको स्थानीय सांस्कृतिक विरासतक प्रति अनभिज्ञ रहि जाइत छी । तेँ अपन संस्कृतिक विभिन्न पक्षक परिचिति शिक्षार्थीक बौद्धिक क्षमताक विकास तँ करबे करत संगहि समसामयिक सभ्यता-संस्कृतिसँ सम्पृक्त होइतहुँ अपन परम्परासँ सम्बद्ध राखत ।

एहि पोथीमे एक तरहेँ आलोच्य तथ्यक संग्रहण कयल गेल अछि, तेँ संभव जे अपेक्षित सीमा धरि मौलिकता नहि आबि पाओल हो । ओना तँ आलेख सभक व्यापक परिधिकेँ यथासंभव संक्षिप्त ओ रोचक बनयबाक प्रयास कयल गेल अछि तथापि संभव अछि जे प्रस्तुत पोथी अपेक्षाकृत बेसी तथ्यपरक भऽ गेल हो । मुदा पूरक पाठ्य-पुस्तक विकासक दिशामे ई प्रस्तुति निश्चिते एक नवीन प्रयोग जकाँ बुझि पड़त ।

हमरा लोकनि आभारी छी ओहि स्रोत सभक जकर आश्रय लऽ तथ्यक संकलन कयल गेल अछि । एकर अतिरिक्त कृतज्ञ छी गुरुजन लोकनिक जनिक आशीर्वचनसँ प्रेरित होइत रहलहुँ अछि । सुधीजनसँ मार्गदर्शन सदैव अपेक्षित रहत ।

डॉ॰ इन्द्रकान्त झा
अध्यक्ष, मैथिली भाषा समूह

डॉ॰ अनिल कुमार मिश्र
समन्वयक, मैथिली भाषा समूह

विषयानुक्रम

		पृष्ठ सं०
1.	मिथिला-चित्रकला	1-9
2.	मिथिलाक शैक्षणिक परम्परा	10-16
3.	मिथिलाक लोकगीत	17-37
4.	मैथिली लोकगाथा	38-50
5.	मिथिलाक प्रमुख नदी	51-57
6.	मिथिलाक पावनि-तिहार	58-72
7.	मिथिलाक प्रमुख राजवंश	73-85